

घर में शिवलिंग कितना बड़ा रखें?

शिवलिंग के साथ देवी पार्वती, गणेश जी, कार्तिकेय स्वामी और नंदी की भी रखें प्रतिमाएं

घर में शिवलिंग है तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे शिवलिंग की सुवह-शम पूजा जरूर करें। घर में साफ-सफाई रखें। जहां शिवलिंग स्थापित है, वहां पवित्रता बनाए रखें। समय-समय पर गंगाजल या गोमूर्च का छिकाव करें। शिव जी को बिल्व पत्र रोज चढ़ाएं। अगर ताजे बिल्व पत्र न मिले तो पुराने पते धोकर फिर से चढ़ा सकते हैं। भगवान को रोज भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं।

घर में ज्यादा बड़ा शिवलिंग न रखें

घर के मंदिर में शिवलिंग स्थापित करना चाहते हैं तो शिवलिंग के आकार का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा बड़ा शिवलिंग सिर्फ मंदिरों में ही स्थापित करना चाहिए, घर के लिए छोटा सा शिवलिंग शुभ रहता है।

शिव पुराण के अनुसार घर में अपनी हाथ के अंगूठे के पहले भाग से बड़ा शिवलिंग रखने से बचना चाहिए। दरअसल, शिवलिंग को बहुत संवेदनशील माना जाता है। शिवलिंग के आसपास दैवी ऊंच का प्रवाह निरंतर बना रहता है। घर छोटे होते हैं और छोटी जगह के लिए छोटे शिवलिंग ही सही रहते हैं।

टूटे शिवलिंग की भी कर सकते हैं पूजा

शिवलिंग शिव जी का निराकार रूप है। निराकार यानी शिवलिंग का कोई विशेष आकार नहीं होता है। अगर शिवलिंग खंडित हो जाता है यानी टूट जाता है, तब भी वह पूजनीय होता है, उसकी पूजा करते रहना चाहिए। ध्यान रखें, शिव जी की प्रतिमा खंडित हो जाए तो उसे मंदिर से हाथ देना चाहिए। खंडित प्रतिमा की पूजा नहीं करनी चाहिए।

घर में किन धातुओं के शिवलिंग रख सकते हैं

घर में लोहे, एल्यूमीनियम, स्टील के शिवलिंग रखने से बचें। सोना, चांदी, पीतल, पारद, स्फटिक या पार्थिव शिवलिंग रख सकते हैं। सोने-चांदी के शिवलिंग बहुत महंगे होते हैं, ऐसे पार्थिव यानी पत्तर का शिवलिंग रखना चाहिए।

पारद शिवलिंग यानी पारे से बना शिवलिंग बहुत शुभ माना जाता है। शिवलिंग बनाने के लिए सबसे पहले पारे की सफाई की जाती है। इसके बाद कई औषधियां मिलाकर तरल पारे को बांधा जाता है। पारा ठोस होने के बाद इससे शिवलिंग बनाया जाता है। पारे से शिवलिंग बनाने की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। पारद शिवलिंग अन्य सभी धातुओं के शिवलिंग से ज्यादा शुभ माना जाता है।



शिव पूजा की 10 सरल स्टेप्स

सुवह स्नान के बाद मंदिर में शिव पूजा करने का संकल्प लें। प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा करें। गणेश जी को स्नान कराएं। दूसरे हाथ पर धूप-दीप जलाएं। आरती करें।

गणेश पूजन के बाद पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर शिवलिंग और देवी पार्वती का अभिषेक करें।

दूसरे हाथ पर धूप-दीप जलाएं। धूप-दीप का भगवान का अभिषेक करें।

पंचमूर्ति के बाद साफ जल से शिवलिंग और देवी मां का अभिषेक करें।

शिवलिंग पर चंदन, हार-फूल, बिल्व पत्र, धूतुरा, आंकड़े के फूल, अवीर, गुलाल, इत्र, ज्वेल, वस्त्र आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। श्वीकार करें।

देवी पार्वती को नाल दुर्वारी, चूड़ियां, कुमकुम, सिद्धूर, नाल फूल चढ़ाएं।

मौसमी फल और मिठाई का भोग लगाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें।

अंत में भगवान से पूजा में हुई जानी-अनजानी भूल के लिए क्षमा मारें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।



घर में हो रहे झागड़े-कलह तो रात में इन कोनों में रखें रखें हल्दी दीपक

दीपक जलाना घर में अति शुभ माना जाता है।

जाएगा, तो आइए इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं।

कब है संकष्टी चतुर्थी 2024?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आपाद माह के कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी तिथि 25 जून, 2024 दिन मंगलवार को मध्य रात्रि 01

बज़कर 23 मिनट पर शुरू होगी।

इसके साथ ही यह तिथि 25 जून को ही बज़त्रि 11 बज़कर 10 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। उदयतिथि को देखते हुए इस साल आपाद माह की संकष्टी चतुर्थी 25 जून को मनाई जाएगी।

चंद्र अर्द्ध का समय

25 जून को बज़त्रि 10 बज़कर 27 मिनट पर चंद्रोदय होगा, जिसके चलते इसके बाद आप किसी समय भी चंद्रमा को अर्द्ध दे सकते हैं।

ध्यान रहे कि संकष्टी चतुर्थी का व्रत चंद्रमा को अर्द्ध दे बिना पूर्ण नहीं माना जाता है। इसलिए अर्द्ध नियम का पालन जरूर करें।

पूजा विधि

सुबह उठकर पवित्र स्नान करें। एक चौकी को सजाएं और उसपर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें।

विधि अनुसार अभिषेक करें।

इसके बाद उड़े फल, फूल मिठाई, मोदक, सिंदूर दुर्वा धास आदि चीजें अर्पित करें।

गणेश मंत्र के साथ गणपति चालासा का पाठ करें।

आरती से पूजा को समाप्त करें।

पूजा में हुई गलती के लिए क्षमा मारें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में पानी की बोतल रखना सही



दोनों तरफ, घर की ओर पर या फिर अपने घर के रूम के दरवाजे के भी दोनों तरफ रखें सकते हैं। ऐसा करना अति शुभ माना जाता है। कम से कम 11 या 5 तो जरूर जलाने चाहिए, क्योंकि इस दीपक से खासतौर पर माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

घर में हमेशा बनी रहेगी सुख शांति

ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार बताते हैं कि आटे में हल्दी मिलाकर दीपक जलाने से खासतौर पर माता लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। अगर आप घर के द्वार पर दीपक जलाते हैं तो घर में नकारात्मक ऊर्जा करेगी और घर में हमेशा सकारात्मक माहाल बना रहेगा। घर में लड़वां, झागड़ा, तानव व कलह यह सरी चीजें कभी नहीं होंगी। घर में सुख शांति हमेशा बनी रहेगी।

क्या आप बेडरूम में रखते हैं पानी की बोतल?

दांपत्य जीवन में आ सकती हैं मुश्किलें

रात को सोते समय कई लोगों को व्यास लगती है और ऐसे लोगों को जलाने की बोतल पर धूम लगता है। इसलिए वास्तु के द्वार पर धूम के बोतल को बोतल रखना चाहिए।

हल्दी चित्र भी उन्हीं लोगों का बोतल रखना चाहिए। आइए जानते हैं इनके बारे में।

बेडरूम में पानी रखना अशुभ फैगशुई के अनुसार, यदि आप बेडरूम में अपने आस-पास पानी रखते हो तो यह आपकी जीवन बोतल रखना चाहिए? पानी की बोतल रखने से रख नहीं होता है।

इससे आपके कमरे में नेटिंगिटीवी बढ़ता है। ऐसे में यदि आप बेडरूम में पानी की बोतल रखना सकती हैं।



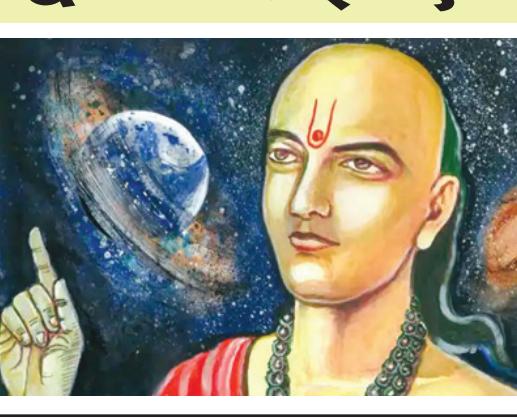
तो हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। यदि संबंध हो तो ऐसे शीशे के स्ट्रॉबूल पर रखें।

भारतीय ऋषि परंपरा के सुप्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट

वेदांग ज्योतिष के ग्रंथकार आचार्य लगाध के बाद एक लम्बा कालखण्ड रिक्त मिलता है, इसके बाद आचार्य आर्यभट्ट का उल्लेख ज्योतिष या आर्यभट्ट के संख्याओं के बारे में प्राप्त होता है। आचार्य आर्यभट्ट आ इत्यादि स्वर वर्ण और अपनी कक्षा में गणितज्ञ वर्णन वर्णन की छात्रों का 1-1 संख्यावाचक अर्थ देकर बड़ी-बड़ी संख्याओं को प्रकाशित किया है।

आर्यभट्ट ने सूर्य और चन्द्र ग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या की है। प्राचीन काल में यह पौराणिक मान्यता थी, कि राहु-केतु का वैज्ञानिक अर्थ नहीं होता है।

शोधकार्य संपादित किए गए हैं। आर्यभट्ट ने 1, 2, 3 आदि अंक संख्याओं के बारे में स्पष्ट करते हैं कि चन्द्रमा जब अपनी कक्षा में रहता है तो धूम देखा जाता है। आर्यभट्ट ने यह अपने ग्रहण करते हैं और जिसे चन्द्र ग्रहण कहते हैं तो आर्यभट्ट का वैज्ञानिक अर्थ होता है।



आर्यभट्ट द्वारा सूर्य और चन्द्र होने के संबंध के कारण दिन-रात होने के बारे में भी उल्लेख किया गया है। सामाजिक व्यापार द्वारा इसके बारे में विद्यार्थी आर्यभट्ट ने अपने



मोदी सरकार के बजट में राजस्थान को मिली बड़ी सौगात प्रदेश के 4.46 करोड़ लोगों को मिलेगा बड़ा फायदा

जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट पेश कर रही है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला पूर्ण बजट (2024-25) है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज लगातार 7वीं बार बजट पेश कर रही है।

5 साल तक मिलेगा

राजनीति

इस दौरान उन्होंने देश के 80 करोड़ लोगों के लिए बड़ी देती रहेगी। इससे राजस्थान के 4.46 करोड़ लोग लाभान्वित होने वाले हैं।



कोरोना काल में शुरू हुए खाद्य सुधायोजना के तहत सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर माह मुफ्त राशन देती है। इस योजना की शुरुआत कोरोना काल के समय सरकार ने शुरू की थी। बाद में मोदी सरकार ने इसे आगे बढ़ाया और अब अपाले 5 साल तक मुफ्त राशन के लिए बड़ा फायदा है। राजस्थान के संदर्भ में बात की तो प्रदेश में 4.46 करोड़ लोगों को खाद्य सुधायोजना के मुफ्त राशन के स्कीम के तहत हर माह राशन मिलता है।

संसद का पहला सवाल, चूरू के सांसद राहुल कस्वां के नाम

चुरू, 23 जुलाई (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा के प्रथम बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान पहला सवाल चूरू संसदीय क्षेत्र से सांसद राहुल कस्वां के नाम रहा। सांसद कस्वा ने सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की सम्बन्धीय मांग खोलते हुए कहा कि काफी लम्बे समय से सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की मांग की जाती रही है। इस विषय में सरकार के समक्ष कई बार मुश्ख उठाया है और पत्राचार भी किया है।

सांसद ने प्रश्नकाल के दौरान कहा कि 15 दिसंबर 1963 को पहला केन्द्रीय विद्यालय खोला गया, जिसके बाद आज तक लगभग 1253 केंद्रीय विद्यालय खोले जाने के ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।



विद्यालय के दैशपर में 12 स्कूल खोले गए, लेकिन वित्त त 5 वर्ष में नये विद्यालय खोले जाने की गति काफी कम हो गई। नए विद्यालय खोले जाने की जो गाइडलाइन बनाई गई वो 1963 के हिसाब से है लेकिन आज समय बदल चुका है। केन्द्र सरकार बड़े बड़े शहरों जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में मोदी ने यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की आवश्यकता है। इसके बाद सांसद राहुल कस्वां ने यहां आप अपनी गाड़लाइन में खुले हैं।

चूरू के सांसद राहुल कस्वां ने

कहा कि सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग के देशभर में 12 स्कूल खोले गए हैं लेकिन राजस्थान को इसमें से एक भी नहीं मिला। तथा एक अच्छा कन्सेप्ट है।

सांसद ने कहा कि इसकी शुरुआत सुजानगढ़ से कर सकते हैं। केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जिनकी चौधरी ने सांसद को बताया कि सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नीति के मुताबिक राज्य सरकार

द्वारा

प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे-राज्य से केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नेता और अधिकारियों के 16 होटल-रेस्टोरेंट पर चलेगा पीला पंजा, प्रशासन करेगा कार्रवाई

अलवर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सिलिसेंड के बाबाव क्षेत्र में नेता से अधिकारी और व्यापारियों के अंतिक्रमण समाने आए हैं। किसी ने पूरा राज्य की ओर से नालिंग छात्रों को अंतिक्रमण करावाई कर रखी। यहीं, जल संसाधन खंड को उपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में मोदी ने यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल टीचर ने छात्रों को भैंजे अश्लील मैसेज

आसपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। द्वारा ज्ञात के नियाउवा थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में टीचर की ओर से नालिंग छात्रों को अंशलील मैसेज भेजने का मामला समाप्त आया है। परेजनों की शिक्षायत के बाद भी विधायी कर्वाई नहीं होने से नालिंग ग्रामीणों ने मालिंगवार को स्कूल पर की छुट्टी करा दी।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी एक लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत विकसित कर रही है। इसे में यहां बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय खोले जाने की अपनी आप गाड़लाइन में खुले हैं।

स्कूल के बाबाव क्षेत्र में जिनकी आवादी

बजट में खेल-खिलाड़ियों को मिले 3442 करोड़ रुपये पिछले साल की तुलना में 45 करोड़ ज्यादा

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां) | वित्त मंत्री निर्मला सीतरामण ने मंलवार को बजट पेश किया। इससे पहले एक बजरी को उन्होंने अंतरिम बजट 2024 पेश किया था। इसमें खेल और खिलाड़ियों को लेकर मोटी सरकार ने बड़े एलान किए थे। अंतरिम बजट में मोटी सरकार को खेल को प्रदर्शन करने के लिए 3,442.32 करोड़ रुपये दिए थे, जो कि पिछले साल पेश किए गए बजट के मुकाबले 45 करोड़ रुपये ज्यादा है। पिछले साल केंद्र सरकार ने युवा और खेल मामले के मंत्रालय के लिए 3,397.32 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था, जो साल 2022 के बजट से 723.97 करोड़ रुपये ज्यादा है। साल 2022 में भी स्पैटर्स बजट में 423.15 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। इस साल पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक ओलंपिक भी होता है। ऐसे में खेल मंत्रालय और केंद्र सरकार का ध्यान पूरी तरह से ओलंपिक को लेकर एथलेटिस की तैयारियों पर है।

खेल बजट का भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन में अहम योगदान

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय एथलीटों ने पूरी दुनिया में अपनी चमक खिलाई है। चाहे 2020-21 टोक्यो ओलंपिक हो या 2022 राष्ट्रमंडल खेल, या फिर 2023 एशियाई खेल, सभी प्रतियोगिताओं में भारत के पदकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जहां टोक्यो ओलंपिक भारत के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ आनंदकारी रहा, या वही 2023 एशियाई खेलों में भारत ने पहली बार 100 पदकों की संख्या पार की थी।

पिछले कुछ वर्षों के खेल बजट की तुलना

पिछले कुछ वर्षों के खेल बजट की तुलना

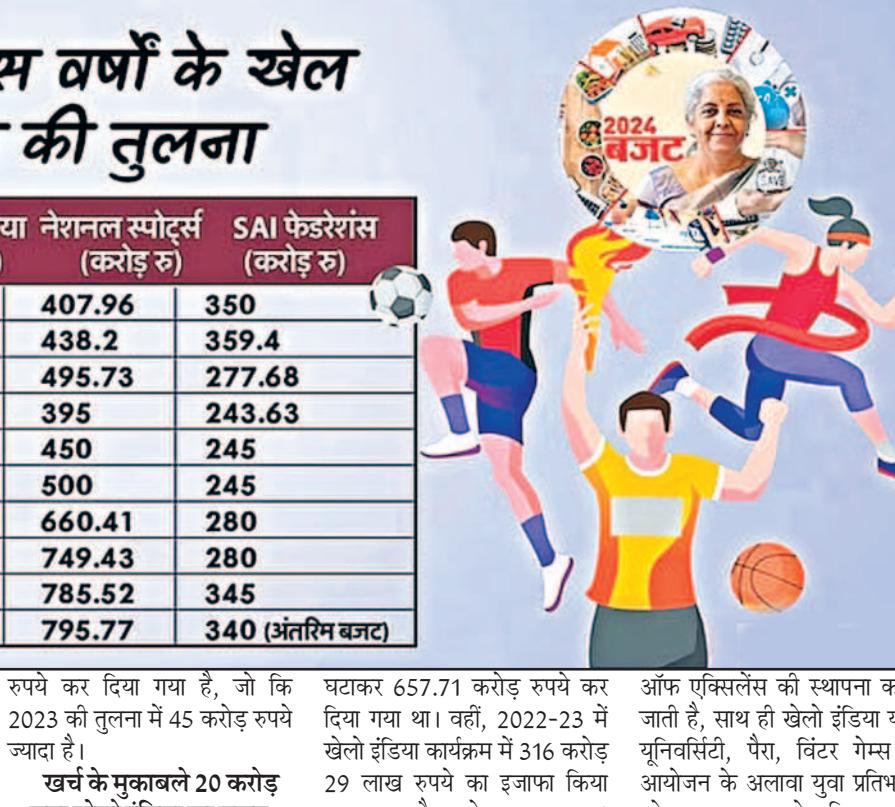
पिछले दस वर्षों के खेल बजट की तुलना

साल	खेलों इंडिया नेशनल स्पोर्ट्स (करोड़ रु)	SAI फैडरेसंस (करोड़ रु)
2015-16	97.52	407.96
2016-17	118.09	438.2
2017-18	346.99	495.73
2018-19	342.24	395
2019-20	500	450
2020-21	890.42	500
2021-22	657.71	660.41
2022-23	974	749.43
2023-24	1000	785.52
2024-25	900	795.77
		340 (अंतरिम बजट)

दोरान इसमें भारी कटौती देखने को मिली थी। साल 2020-21 में टोक्यो ओलंपिक के बाद से खेल बजट 2826.92 करोड़ रुपये का हर एथलीट की नजर रही है। इस साल ओलंपिक जैसी कई बहुसंघीय प्रतियोगिताएं होनी हैं। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से नई प्रतियोगियों को दूंगों के लिए 'खेलों इंडिया यूथ गम्प' और 'नेशनल गेम्स' का भी अग्रणी योगदान रहा है। ऐसे में सरकार की तरफ से खेल बजट में की गई बढ़ोतरी से खेल सुविधाओं में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

पिछले नौ वर्षों के खेल बजट की तुलना

पिछले कुछ वर्षों के खेल बजट की तुलना



रुपये कर दिया गया है, जो कि 2023 की तुलना में 45 करोड़ रुपये बढ़ाकर 657.71 करोड़ रुपये कर दिया गया था। वहीं, 2022-23 में खेल बजट 2826.92 करोड़ रुपये का था। 2021-22 में इसमें 606.73 करोड़ रुपये की कटौती की गई थी। यानी 2021-22 में खेल बजट 2250.19 करोड़ रुपये का था। 2022-23 में कुल खेल बजट 3062.60 का था, जिसे रिवाइज कर 2673.35 करोड़ रुपये कर दिया गया था। पिछले साल यानी 2023-24 में यह 3397.32 करोड़ रुपये का हो गया था। यानी 723.97 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। अब इस बार यानी 2024-25 में खेल बजट को 3442.32 करोड़ रुपये की कटौती की गई थी।

वर्ष 2021-22 में इस मद को

घटाकर 657.71 करोड़ रुपये कर दिया गया था। वहीं, 2022-23 में खेलों इंडिया कार्यक्रम में 316 करोड़ 29 लाख रुपये का इजाफा किया गया था और इसे बढ़ाकर 974 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

2023-24 में खेलों इंडिया के लिए स्वार्थिक 1000 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी, जोकि इस पर 880 करोड़ रुपये ही खर्च हुए, जिसके चलते आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 900 करोड़ रुपये कर दिया गया था। खेलों इंडिया के लिए वर्ष 2020-21 के बजट में 890.42 करोड़ रुपये आवंटित किये गए थे। खेलों इंडिया के बाद 2021-22 के खेल बजट में खेल सुविधाएं उपलब्ध करने के अलावा अकादमी, सेंटर

ऑफ एक्सिलेस की स्थापना कर्ड होती है, जो कि इसमें आवंटन 500 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय कमी देखी गई। वहीं, 2024-25 के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के लिए एक बड़ा बदलाव होता है। जोकि 2023-24 के लिए 785.52 करोड़ रुपये किया गया था। 2021-22 में 660.41 करोड़ रुपये आवंटित किये गए थे, जबकि 2020-21 के बजट में अवंटन 500 करोड़ रुपये से 39 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय कमी देखी गई। वहीं, सार्वीय खेल विकास कोष आवंटन की गई थी। यानी 2022-23 में यह बजट 749.43 करोड़ रुपये मिल थे, जिसे इस साल बढ़ाकर 91.90 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

भारतीय खेल प्राधिकरण के लिए एरोड रहा बजट

साल 2023-24 में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को मिलने वाले बजट में 36.09 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। यानी 2023-24 के बजट में राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 45 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जो कि पिछले साल से 15 करोड़ रुपये का बढ़ाया है।

खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि में की गई कटौती

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए एरोड करोड़ 80 पर, से 39 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय कमी देखी गई। वहीं, सार्वीय खेल विकास कोष कोष के लिए आवंटन भी 46 करोड़ रुपये से घटाकर 18 रुपए कर दिया गया। पैंडिं दीन दलाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेलों इंडिया कल्याण योगदान को दो करोड़ रुपये मिले। 'जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधा को बढ़ाने' के लिए आवंटन 500 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय कमी देखी गई। वहीं, सार्वीय खेल विकास कोष कोष के लिए आवंटन 46 करोड़ रुपये से घटाकर 18 रुपए कर दिया गया। पैंडिं दीन दलाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेलों इंडिया कल्याण योगदान को दो करोड़ रुपये मिले।

एनआईए और एनडीटीएल

के लिए भी प्रावधान

विश्व डोमिंगो जॉनी से संबद्ध राष्ट्रीय डोमिंगो रोधी एजेंसी और राष्ट्रीय खेल विकास कोष कोष के लिए आवंटन 300 करोड़ रुपये से संधारणा कर दिया गया। एरोड रुपये से घटाकर आवंटन 20 करोड़ रुपये के लिए आवंटन 20 करोड़ रुपये के लिए आवंटन 32.1 करोड़ रुपये के लिए आवंटन 15 करोड़ रुपये था, जिसे इस बार रुपये कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए बजट में क्या?

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से संधारणा कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 2020-21 के बजट में 245 करोड़ रुपये की राशि थी, जिसे पहले एसएआई से धन प्राप्त हुआ था, जिसे पहले साल से यह खेल मत्रालय से स

